हाईस्कूल परीक्षा, 2011

हिन्दी–प्रथमपत्र

समय : तीन घण्टे] 801 (KO) [पूर्णांक : 100

1.(क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिएः 1

(i) डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय एक प्रसिद्ध कवि हैं।
(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रसिद्ध आलोचक हैं।
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र शुक्ल युग के लेखक हैं।
(iv) वृन्दावन लाल वर्मा उपन्यासकार नहीं हैं।

(ख) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

(i) गिरती दिवारें (ii) स्कन्दगुप्त
(iii) भारतीय शिक्षा (iv) पंचपात्र।

(ग) शुक्लोत्तर युग के दो प्रमुख आलोचकों के नाम लिखिए। 1

(घ) शुक्ल युग की दो प्रमुख पत्रिकाओं के नाम लिखिए। 1

(ङ) 'मृगनयनी' के लेखक का नाम लिखिए। 1

2.(क) रीतिकाल के दो कवियों के नाम तथा उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए। 2

(ख) द्विवेदी युग की कविता की दो विशेषाताओं का उल्लेख कीजिए। 2

(ग) प्रयोगवादी कविता की दो विशेषताओं का उल्लेख कीज़िए। 1

3. निम्नांकित अवतरणों में से किसी एक के नीचे दिए गये प्रश्नों का उत्तर दीजिएः10

(क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती चली जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती चली जाएगी।

(i) उपर्युक्त अवतरण का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) अच्छी संगति से होने वाले लाभों को उदाहरण देकर समझाइए।

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती। वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है। वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उसके उपयोग को नियंत्रित भी।

(i) उपर्युक्त अवतरण का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iii) उपर्युक्त अवतरण में लेखक ने मानव को क्या सन्देश दिया है?

4.निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य सौन्दर्य भी लिखिए : 10

ऊधौ मन न भए दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम संग, को अवराधै ईस।।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।।
तुम तो सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारैं नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।। अथवा

विषुवत्-रेखा का वासी जो, जीता है नित हाँफ-हाँफ कर।
रखता है अनुराग अलौकिक, वह भी अपनी मातृभूमि पर।।
ध्रुववासी, जो हिम में, तम में, जी लेता है काँप-काँप कर।
वह भी अपनी मातृ-भूमि पर कर देता है प्राण निछावर।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए : 4

(i) राजेन्द्र प्रसाद (ii) रामचन्द्र शुक्ल (iii) जयशंकर प्रसाद।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिएः 4

(i) सुमित्रा नन्दन 'पन्त' (ii) माखनलल चतुर्वेदी (iii) सूरदास।

6. निम्नलिखित का हिन्दी में ससन्दर्भ अनुवाद कीजिएः 2+6=8

यद्यपि याने मया बहु अशितं तथापि तत्र भ्रमणेन अहं क्षुधया पीडितः। तदर्थं मया कश्चित् गुलिकाः अशिताः। पर्यटने मया सुविस्तृताः शोभनाश्च मार्गाः दृष्टाः, मार्गम् उभयतः गगनचुम्बिन्यः अट्टालिकाः परिलक्षिताः। ताः सर्वाः नवनिर्मिताः इव प्रत्यभासन्त। यदा-यदा वयं तस्य नगरस्य द्वारम् उपागताः तस्य सुविशालौ द्वावपि कपाटौ अनावृतौ संजातौ। एवम् उपलक्षितं यत् कोऽपि अस्मान् प्रतीक्षमाणः अतिष्ठत्। तत्र यातायातास्य कृते न किमपि साधनमः आसीत् ।अहम् अचिन्तयं यदत्रत्या सर्वे नगरवासिनः क्वापि गताः। अन्ततः अहम् एकं गृहमविशम्। अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत।।

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2

(i) राष्ट्र भक्तः कः अस्ति? (ii) विद्या केन वर्धते?
(iii) नागरिकः किमर्थ लज्जितः अभवतः?

(ख) अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 4

8. (क) हास्य रस की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। तथा उसका स्थायी भाव भी दीजिए : अथवा 4

हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी।
तम्ह देखी सीता मृगनैनी।।

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है? रस का स्थायी भी भाव लिखिए।

(ख) उपमा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। अथवा 2+2=4

मोर-मुकुट की चन्द्रिकनु, यौं राजत नँदनंद।
मनु ससि सेखर की अकस, किय सेखर सत चन्द।।
इस मे कौन अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(ग) सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 4

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन को जोड़ कर एक-एक शब्द बनाइए :

अभि, उप, निर, अप, सह।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रत्ययों के प्रयोग से एक-एक शब्द बनाकर लिखिए : आई, त्व, पन, वा, इट। 1+1+1=3

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए : पीताम्बर, पंचवटी, दशानन, महाकवि। 2

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 2

अँगुली, हाथ, अनाज, ऊँट।

(ङ) निम्नलिखित में किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

अग्नि, नारी, चन्द्र, गौ।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का सन्धि-विच्छेद कीजिए तथा सन्धि का नाम भी लिखिएः एकैकः महौज, गुर्वादेश, लाकृतिः। 2

(ख) 'फल' अथवा 'मधु' शब्द के चतुर्थी विभक्ति, एकवचन का रूप लिखिए। 2

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक धातु रूप का लकार पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिएः 2

(i) पठतः (ii) हसेत।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार शब्दों का संस्कृत में अनुवाद कीजिएः

(i) उचित व्यवहार से (ii) पालन-पोषण हेतु
(iii) छोड़ने योग्य (iv) बीमार का
(v) शोक करता है (vi) पत्थर की मूर्तियाँ।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 10

(i) बेरोज़गारी की समस्या और समाधान
(ii) पर्यटन से होने वाले लाभ एवं हानि
(iii) नारी शिक्षा का महत्व (iv) यदि मैं प्रधानाचार्य होता।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर अपने शब्दों मे लिखिएः

(क) (i) 'जय सुभाष' नामक खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद के चरित्र का वर्णन संक्षेप में कीजिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राजभवन' सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कौन-सा सर्ग आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है और क्यों? संक्षेप में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' के आधार पर महात्मा गाँधी के चारित्रिक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(च) (i) "कर्ण सच्चे दानवीर, युद्धवीर तथा प्राणवीर थे।" इस कथन की पुष्टि 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कीजिए।

(ii) 'कर्ण खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ज) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' नामक खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(झ) (i) "चन्द्रशेखर-आजाद उत्कृष्ट देश प्रेमी थे।" इस कथन की पुष्टि 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर कीजिए।

(ii) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।